

वैद्यक शब्द कोष



लेखक व प्रकाशक—

चिकित्सक पं० विश्वेश्वरदयालुजी वैद्यराज

सम्पादक अनुभूत योगमाला पाक्षिक पत्रिका

बरालोकपुर, इटावा यू० पी०

द्वितीयवार }
१००० }

सन् १९३१ ई०

{ मूल्य
१) आना

पं० विश्वेश्वरदयालुजी के प्रबन्ध से

श्रीहरिहर प्रेस बरालोकपुर, इटावा में मुद्रित ।

प्रकाशक की प्रार्थना ।

इस समय मनुष्यों की आयु और बुद्धि बहुत थोड़ी है इसीलिये समस्त ऋषि-प्रणीतग्रन्थों का करठस्त रखना सम्भव नहीं है, ऐसी दशा में जब निघंटुकृत शब्दों का कहीं अप्रचलित शब्द श्लोक में आ जाता है तो विद्वानों को अवाक रह जाना पड़ता है और बहुत परिश्रम से उसका पता लगाना पड़ता है, कभी २ पता नहीं भी मिलता है इस विनता को दूर करनेके लिये मैं बहुत परिचिन्तित था किंतु अकारादिक्रम से शब्दों का कोष तैयार करने से वह असुविधा दूर हो गई, यद्यपि ऐसा करने में हमें बहुत श्रम और खर्च करना पड़ा था और पुस्तक भी इतनी बड़ी बन गई कि हम एकदम उसके छपाने से भिन्नक उठे इसीलिये उस प्रति को जो १२ निघंटु ग्रन्थों की खोज से लिखी गई थी स्थगित कर सिर्फ एक निघंटु के आधार पर नमूना स्वरूप केवल काष्ठौषधि शब्द प्रकाशित कर यह देखने की इच्छा हुई कि देखें इसमें कितना लाभ होता है और ऐसे कोष की कितनी मांग होती है क्या २ इसमें और बढ़ाने से यह विशेष उपकारी हो सकता है कुछ मेरी अल्पमति एवं प्रेस कर्मचारियों की असावधानी से इसमें कुछ भेद पड़ जाना निहायत सम्भव है । विद्वज्जन उसे सँभाल कर मुझे सूचित कर दें, ताकि तृतीय संस्करण में मैं उसे ठीक कर सकुं आशा है कि सब प्रकार से मेरे उत्साह को बढ़ावेंगे ताकि तीसरा पूर्ण कोष काष्ठौषधि एवं धातु औषधि-शब्दयुक्त "वैद्यक शब्द कोष" को प्रकाशित करके शीघ्र से शीघ्र इस कमी को पूरा करने में मैं समर्थ होऊँ—यदि इसमें कुछ भी लाभ विद्वानों व विद्यार्थियों को हुआ तो मैं अपने श्रम को सफल समझूँगा ।

विदुषांविनीतः

वैद्यराजः

निधाय विश्वेशपदाम्बुजं हृदि विधाय विन्ध्येश्वरिपादपंकजम् ।

विलिख्य विश्वेश्वर वैद्यशास्त्रिणा प्रकाशते वैद्यक शब्द कोषकः ॥१॥

समस्तशास्त्राम्बुधिबीचिसंचितान्ननेकशस्संस्कृतशब्दमौक्तिकान् ।

विचीयमानेन मया प्रकाशितो हिताय तेषां खलु रोगहारिणाम् ॥२॥

| अ | अजरा | स्त्रो० कपिकच्छू |
|-----------------------------------|------------|------------------|
| अंकोटः पु० अंकोल, ढेरा | | (दोंदिया) |
| अंकोलः " " | अजश्रंगका | " मेढासिंगी |
| अक्षः " बहेरा | अजशृंगी | " काकड़ा- |
| अक्षीरं नपु० समुद्रमोक | | सिंगी |
| अक्षीवः पु० सहिजना | अजाजी | " सफेदजीरा |
| अंगारकः " घमरा, कलि- | | कालाजीरा |
| हारी, पलास | अटरूपकः | पु० अरुसा |
| पुष्प. | अतितपस्वनी | स्त्री० संभालू, |
| अंगारखल्ली स्त्री० भारंगी | | निर्गुन्डी |
| अग्निकः पु० भिलावा | अतिबला | " ककहिया |
| अग्निमुखी स्त्री० " | अतिरुहा | " रोहिणी, क- |
| अग्निमंथ पु० इरणी | | पिकच्छू |
| अग्निसंस्पर्श स्त्री० पर्पटी, सु- | अतिलम्बी | " सोंफ |
| गंधद्रव्य- | अतिविषा | " अतीस |
| उत्तरदेशे | अदण्डवः | पु० सफेदपरंड |
| " " | अधःशल्यः | " चिरचिरा |
| अग्निशिखा | अनलः | " चित्रक |
| अगुरं न० अगर | | (चीता) |
| अंजनकेशी स्त्री० नीलका, | अन्धकः | " तुम्बुरु |
| नाड़ीशाक | | (तेजबलके बीज) |
| अजमोदा स्त्री अजमोद | अनार्यकः | " अगर |
| अजमोदिका " " | | |

| | | | |
|------------|--|---------------|-------------------------------|
| अनन्ता | स्त्री० धमासा (यवासा) | अरुणकरः | पु० भिलावा |
| अपराजिता | " अपराजिता (विष्णुक्रांता) | अर्कपर्णः | " रक्त आक |
| अपामार्गः | " चिरचिरा | अर्कपर्णी | स्त्री० बृहदन्ती |
| अभमूलकः | पु० पटेरा यह जलमें होता है | अर्द्धिकणिका | " महाशतावरी |
| अभया | स्त्री० हरड़ (हर) | अर्द्धचन्द्रा | " कालानिशोथ |
| अभ्रपुष्प | न० वेतस (वेत) | अर्द्धतिलः | पु० चिरायता |
| अमरवल्ली | स्त्री० अमरवेल, वृक्षों पर पीले तारसे होते हैं | अलर्कः | " सफेद आक |
| अमृतवल्लरी | " गुर्च, गिलोय | अलंबुषा | स्त्री० मुंडो, तरोई |
| अमृता | " गुर्च, गिलोय, हर, आंवला | अलिवल्लभा | स्त्री० पीली पाठ घंटापारुल |
| अमृणालं | नपु० उशीर, ला- मज्जक | अवदाहकः | पु० लामज्जक, उशीर |
| अमोघा | स्त्री० वायविडंग | अवलगुजः | " बाकुची |
| अम्बष्टा | " पाठा | अवधिकफः | " समुद्रनोन, समु- द्रफेन |
| अम्बष्टकी | " " | अव्यथा | स्त्री० हर, निर्गुन्डी |
| अम्बुजः | पु० हिज्जल, निचुल | अशोका | " कुटकी |
| अम्बालिका | स्त्री० माचिका | अश्मघ्नः | पु० गेरु, पाषाणभेद |
| अम्बिका | " " | अश्मन्तकः | " रक्तकचनार अम्लोणिका |
| अम्बुनामकं | नपु० सुगन्धवाला | अश्वगंधा | स्त्री० असगंध |
| अरलुः | पु० सोनापाठा | अश्वत्थफला | " हाजवेर |
| अरिष्टः | " लहसन, नांवरीठा | अश्वमारकः | पु० कंडेल, करवीर |
| अरुणा | स्त्री० मजीठ, अतीस | अस्थिश्रंगला | " हस्तिचिघारी |
| अरुणकः | पु० भिलावा | अस्थिसंहारकः | पु० हरसिंगार |
| | | अहिपर्णी | स्त्री० " |
| | | अहिफेनकं | " पृष्ठपर्णी नपु० अफीम |

| | | | |
|-------------|----------------------|--------------|-------------------|
| अहिफेन | " अफीम | इन्द्रयव | नपु० इन्द्र जौ |
| आकाशी | स्त्री० अमरबेल | इन्द्रवारुणी | स्त्री० इन्द्रायन |
| आलुकर्णी | " बड़ीदंती मूपाकर्णी | इष्टकापथं | नपु० लामजक |
| आटरुपः | " अरुसा | | हुईमुई |
| आत्मगुप्ता | स्त्री० कपिकच्छू | उ | |
| | (दोंदिया) | उग्रगंधः | पु० लहसन |
| आद्रकं | नपु० अदरक | उग्रगंधा | स्त्री० अजवाइन, |
| आद्रिका | स्त्री० " | | वच, कुलिजन |
| आफूकं | नपु० अफीम | उग्रा | " वच |
| आमलकं | " आमला | उत्कटं | नपु० तेजपात |
| आम्रगंधा | स्त्री० कपूर हल्दी | उत्तानपत्रकः | पु० लाल अण्ड |
| आमण्डु | पु० सफेद अंड | उत्पलं | नपु० कमल |
| आरग्वधः | " अमलतास | उदकीर्यः | पु० कंजी |
| आरवेतः | " " | उद्गारशोधनः- | " कालाजीरा |
| आसुरम् | नपु० सोचरनोंन | उदीच्यं | नपु० सुगन्धवाला |
| आस्फोता | स्त्री० विष्णुकांता | उदुम्बरपर्णी | स्त्री० लघुदन्ती |
| इ | | उन्मत्तः | " पु० धतूरा |
| इक्षवेलिका | स्त्री० कांस | उपकलिक | स्त्री० काला जीरा |
| इक्षुगंधा | " विदारीकंद | उपकुञ्चिका | " कलौजी, इला- |
| | तालमखाना | | यची छोटी |
| इक्षुगंधिका | " गुखरू | उपकुञ्ची | " कलौजी |
| इक्षुरः | पु० तालमखाना | उपचित्रा | " बड़ो दंती |
| इक्षुरसः | " कांस | उपविषा | " अतीस |
| इक्षुवालिका | स्त्री० तालमखाना | उरच्छः | पु० पटेरा |
| इज्जलः | पु० समुद्रफल | उरबूकः | " रक्त अंड |
| इन्दीवरी | स्त्री० शितावर | उष्णा | स्त्री० पीपर |
| | कमल | ऊ | |
| इन्द्रः | पु० कुड़ा कुरैया | ऊर्ण | नपु० पीपर, सोंठ |
| | | | पीपरामूर, चीता |

| शृ | क |
|-----------------------------|----------------------|
| शृषभः | ककन्तिका |
| शृष्यः | ककुन्दनी |
| शृष्यप्रोक्ता | कच्छुरा |
| ए | कंगुनी |
| एकाष्ठीला | कटुफलः |
| ऐङ्गजः | कटुभी |
| एरका | कटुपर्णी |
| एरण्डवः | कटुम्भरा |
| एरण्डफला | कटुरोहिणी |
| एलबालुकं | कटुभद्रम् |
| ऐला | कटुत्रिकम् |
| ऐलापर्णी | कट्वी |
| ऐलालुः | कठिलकः |
| ऐ | कटं कटेरी |
| ऐन्द्री | कटवङ्ग |
| ओ | कण्टकिनी |
| ओदनिका | कंठकारी |
| ओदनावहया | कंठालिका |
| ओ | किण्णी |
| ओद्भिदं | कण्डुरा |
| नोटः—समाप्तं स्वरादि वर्गम् | कदंबपुष्पिका |
| | कन्या |
| | कही० ककहिया |
| | " मालककुनी |
| | " धमासा (य- वासा |
| | " मालककुनी |
| | पु० कैफरा |
| | कही० माल ककुनी |
| | " चोक लकड़ी |
| | " कुटकी |
| | " " |
| | नपु० सोंठ |
| | " सोंठ, मिर्च |
| | पीपर |
| | कही० कुटकी |
| | पु० करेला, लाल |
| | पुनर्नवा |
| | कही दाद हल्दी |
| | पु० सोनापाठी |
| | कही० भटकटैया |
| | " " |
| | " " |
| | " चिरचिरा |
| | " दोदिया बीज |
| | कोंच बीज |
| | " निगु एडी |
| | " श्वेतसारिवा, |
| | ग्वार पाठा, वाभूखसा |

| | | | |
|------------|-------------------------|-------------|----------------------------|
| कनकाब्जः | पु० धतूरा | कर्पूरः | पु० कपूर |
| कपालकं | नपु० सरहरी गं- डिनी | कर्पूरा | स्त्री कर्पूर हल्दी |
| कपिवल्ली | स्त्री० गजपीपर | कर्षफल | त्रि० बहुरा |
| कपितैलं | नपु० शिलारस, शिलाजीत | करभंजिका | स्त्री कंजो |
| कपिनामकं | " " | करवीरः | पु० कडैल, श्वेत |
| कपिलच्छाया | स्त्री० कस्तूरी | करंजः | " कंज |
| कपित्थ | नपु० एलवालुक, कैथ | करंजी | स्त्री० कंजी |
| कपिकच्छुः | पु० दोंदिया बीज | कलघंटीका | " रक्तसारिवा |
| कपिवल्लो | स्त्री० चिरचिरा | कलशी | " पृष्ठपर्णी |
| कपिल्लकः | पु० रक्तपुनर्नवा | कल्पकः | पु० मेदाकचूर |
| कपिला | स्त्री० रेणुका बीज | कवरी | स्त्री० हिंगुपत्री |
| कपोत चरणा | " नलिका | कवच नामक | पु० पित्तपापरा |
| कपीतकं | नपुः दारुहल्दी | कपाया | स्त्री० धमासा (यवासा) |
| कुमारी | स्त्री० ग्वार पाठा | काकजंघा | स्त्री काकजंघा |
| करहाटकः | पु० मैनफल | काकतिका | " " |
| कर्कशः | " कवीला | काकतुण्डफला | " कन्नाटेरो का- कनासा |
| कर्णिकार | स्त्री० श्रमल तास | काकनासा | " कन्नाटेरो |
| कर्कटशृंगी | " काकड़ासिंगी | काकपीलुः | पु० रक्तगुञ्जा |
| कर्कटाख्या | पु० " | काकमाची | स्त्री० काली- मकोई |
| कर्कटी | स्त्री० देवदाली | काकचिंची | " रक्तगुञ्जा |
| कचूरः | पु० कचूर | काकबल्लरी | " स्वर्णबल्लरी |
| | | काकपर्णी | " मृगपर्णी |

| | | |
|-------------|---------------------------|--|
| काकमुग्धा | " " | कालानुसार्यकं नपु० भूरुखरीला, |
| काका | " काकजंघा | तगर |
| काकाङ्गी | " कक्षाटेरोघास | कालसारं " पीलाचन्दन |
| काकादनी | " रक्तगुञ्जा | कालानुसार्य, तगर |
| काकानन्ती | " " | कालीयं " पीलाचन्दन |
| काकायु | " स्वर्णबल्ली | कालीयकं " " |
| काकाह्वा | " काकमाचो | काला स्त्री० मजीठ |
| काकेच्छुः | पु० तालमखाना | कालाजाजी " कलौजी |
| काखोली | स्त्री० अजमोद | कार्मुकः पु० वकायन |
| कांचनखः | पु० श्वेत कच- नार | कारवी स्त्री० कलोजी, सौफ, चन्द्रसूर |
| कांचनारः | " " | कार्लिंग नपु० इन्द्रजौ, कुड़ा |
| काचनाब्धय | " नागकेशर | की छाल |
| कांचनी | स्त्री० हल्दी | कालीयकः पु० दाखहल्दी |
| कांडित्त | पु० चिरायता | कालेयकः " " |
| काण्डरुहा | स्त्री० कुटकी | कालमेपी स्त्री० बाकुची |
| काण्डेच्छुः | पु० तालमखाना | काश्मरी नपुः पोहकरमूल कुंकुम |
| कान्ता | स्त्री० प्रियङ्गुमालककुनी | काश्मरी स्त्री कस्तूरी, गंभारी |
| काम्भोजी | " उदरपर्णी | काशेच्छुः पु० कांस |
| कम्पिल्लः | पु० कवीला | काशः " " |
| कायस्था | स्त्री० हर | काश्मरी स्त्री० गंभारी खंभारि |
| कार्पासी | " कपासी | काश्मर्य्यः पु० गंभारी |
| कालदोला | " नील | काष्टपाटला स्त्री० स्वर्णपाटला |
| कालकेशी | " " | कितवः पु० भटेइरप्रन्थपर्ण भेद |
| कालकेषिका | " कालानिशोथ, मजीठ | किरातः " चिरायता |
| कालस्थली | " पीली पाद | किरातकः " " |
| | | कलीतकं नपु० मोरेडी |

फलोतनकं " "
 फजोतका स्त्री० नील
 फोटः पु० कुढा
 फोटमाता स्त्री० हंसपदी हंसराज
 कुङ्कुरं नपु० गनेरग्रंथपरिभेद
 कुङ्कुमः पु० कुङ्कुम, केशर
 कुण्डली स्त्री० गुर्च, रक्तकचनार
 कुरुविन्दः पु० मौथा
 कुटिलं नपु० तगर
 कुचन्दनं " बक पीतचन्दन
 कुन्द पु० कुन्दुरगोद
 कुन्दरु; " "
 कुकुन्दर " कुन्दर
 कुलक " कुचला
 कुपीलुः " "
 कुमारी स्त्री ग्वारपाठा भाभू,
 खसा
 कुम्भिका " कैफरा
 कुमुदिका " "
 कुञ्जरा " धाय के फूल
 कुलुम्बम् नपु० " "
 कुञ्जी पु० कलौजी
 कुरनटी स्त्री० धना
 कुस्तुम्बुर पु० "
 कुञ्चिका स्त्री० मैथी
 कुटजवोज नपु० इन्द्रजी
 कुलोव विषाणिका स्त्री० काकड़ा-
 सिंगी

कुवेराक्षी " पीलीपाठ
 कस्तालु पु० गूगर
 कुटन्नटं नपु० कैवर्तीमोथा
 कुली स्त्री० फलकटैया
 कुद्दारः पु० रक्तकचनार
 कुनाशक " जवासा
 कुशः " कुश
 कूटजः " कुढा
 कृमिघ्न " बाइविरंग
 कृमिघ्ना स्त्री० हल्दी
 कृमिजं नपु० अगार
 कृमिजग्धं नपु० अगार
 कृष्णं " नपु० कालीमिर्च
 कृष्णजीरक पु० कालाजीरा
 कृष्णभेदा स्त्री० कुटकी
 कृशोदरी " श्वेतसारवा
 कृष्णफला " वाकुची
 कृमिघ्न नपु० देवदार
 कृष्णा स्त्री क्षेतपापड़ा उरद-
 पर्णी
 कृष्णावृन्ता " खम्भारि, पीलीपाठ
 कृष्णला " श्वेतगुञ्जा
 कृशा " शोहिणी
 कृतपालः पु० अमलतास
 केशपर्णी स्त्री० रक्त चिरचिरा
 केशनामकं नपु० सुगंधवाला
 केशरः पु० नागकेशर
 केशराजः " धमरा

| | | | |
|---------------|----------------------|--------------|-------------------------|
| केशी | " माचिका | गंधकुटी | स्त्री० मूर्वा |
| कैरवी | " मैथी वनमैथी | गंधमूलिका | " मेदाकचूर |
| कैरातः | पु० चिरायता | गंधवधू | " " |
| कैवर्तक | नपुः कैवर्तमोथा | गंधपलासी | " " |
| कोलः | पु० स्त्री० पीपर घेर | गंधकौकिला | " सुगंधद्रव्य |
| कोलवल्ली | स्त्री० गजपीपर | गंधमालती | " कुन्दुरुसुगंध |
| कोकिलाक्षः | पु० तालमखाना | गंधर्वहस्तकः | पु० श्वेत अंड |
| कौरंगी | स्त्री० छोटी इलायची | गंधाता | स्त्री० असुगंध |
| कोटिववालकः | पु० पिंडशाक | गंधारी | " जवासा |
| कोविदारः | " रक्तकचनार | गंजा | " भाग |
| कोर्प्य | स्त्री० विदारीकंद | गर्दभा | " श्वेत कटैया |
| क्रोडकसेरकः | पु० नागरमोथा | गर्भसुत् | " कलिहारी |
| कोशातकी | स्त्री० लौकी तुरई | गवादनी | " इंदवाखणी |
| कोलकः | पु० शीतलचीनी | गवाली | " " |
| क्रोडुबिन्ना | स्त्री० पृष्ठपर्णी | गरागदी | " देवदाली |
| कौन्ती | " रेणुकावीज | गंगेरुकी | " गंगेरन, गुल- शकरी |
| ग | | गिरमित | " गेरू |
| गरडीरी | स्त्री० मजीठ | गिरकर्णी | " विष्णुक्रांता |
| गरडारिः | पु० श्वेतकचनार | गिरमल्लिका | " कुठा |
| गरडाली | स्त्री० गांठ दूर्वा | गिरसानुजा | " त्रायमाण |
| सरहटी, गंडिनी | | गुटिः | " छोटीइलायची |
| गरडदूर्वा | " गांठदूव | गुरडाख्यं | " नपु० सांभर नमक |
| गरुकारिका | " इन्नी | गुन्द्रा | " स्त्री० नागर- मोथा |
| गन्धनाकुली | " खरभारि | गुन्द्रफला | " मालकाकुनी |
| गंधसारः | पु० श्वेतचन्दन | | |

| | | | |
|-------------|--------------------------------------|--------------|-----------------------------|
| गुच्छकं | नपु० ग्रन्थिपर्णी | गोजिह्वा | " वनगोभी |
| गुडहासकः | पु० भटेडर, नैपाल- लीय व द्रव्यं | गोजिका | " " |
| गुडुची | स्त्री० गिलोय | गोभी | " " |
| गुहा | " शालिपर्णी | घ | |
| गुडा | " सेहुँड | घंटापाटलिः | पु० घंटापाटल, स- फेद पाठ |
| गुणरूप | पु० श्वेत आक | घंटा | स्त्री० शणपुष्पी, चिहुली |
| गुन्द्रा | पु० पटेरा | घ्राण दुःखदा | " नकल्लिकनी |
| गुन्द्रबूला | स्त्री० मोधातृण | घृतपूर्णकरंज | पु० कंजघोटा |
| गुंद्रा | " " | घुणप्रिया | स्त्री० दन्ती छोटी |
| गुह्यावोजं | नपु० भूतृण | घुसुरां | नपु० कुंकुम, केसर |
| गृष्टिः | पु० विदारीकंद | घुणवल्लभा | स्त्री० अतीस |
| गृहकन्या | स्त्री० ग्वारपाठा | घृतकुमारिकः | " ग्वारपाठा घी- कुमारी |
| ग्रन्थिमान् | पु० हरलिगार | च | |
| ग्रन्थिकं | नपु० पीपराभूर, ग्रन्थिपर्णी | चक्रमर्दः | " चक्रवड पवार |
| ग्रामीणा | स्त्री० नील | चक्राकारं | " नपु० नख |
| गोलोमी | " बच, श्वेत दूर्वा | चक्रक्षणिका | स्त्री० गुर्च-लक्षणा |
| गोरोचना | " गोरोचन | चक्रवातेनी | " पर्पटी, पद्माख |
| गोक्षुरा | पु० गुखरू | चक्षुष्यं | नपु० पमारपुराडैरी |
| गोकंदक | " " | चक्षुवेष्टलः | पु० शरपत, रामशर |
| गोक्षुरकः | " " | चक्रांगी | स्त्री० कुटकी |
| गोपी | स्त्री० कृष्ण सारिवा श्वेत सारिवा | चक्राभला | " सुदर्शन |
| गोपयधू | " " | चक्रो | पु० चक्रवड |
| गोपा | " श्वेत सारिवा | चण्डातः | " करवीर (कडेल) |
| गोपधली | " " | चटका शिर | पु० स्त्री० पीपराभूर |

| | | | |
|-------------|------------------------------|---------------|-------------------------------|
| चतुरवर्ण | नपु० त्रिकुटा, पीप- रामूल | जतुका | स्त्री० श्वेत पापडा |
| चतुरङ्गलः | पु० अमलतास | जतुकृष्णा | " " |
| चपला | स्त्री० पीपल | जतुक्कनत् | " " |
| चम्दशरः | " हाली | जतुकं | नपु० हींग |
| चम्दः | " कधीला | जननी | स्त्री० श्वेत पापडा पर्यदी |
| चमरिकः | " रक्तचनार | जननी | " " |
| चर्महंश्री | स्त्री० हाली | जम्बुक प्रियं | नपु० भूतण |
| चर्मकषा | " धूहर सेड्ड, भेद | जम्बु नाशनः | " बाइबिरंग |
| चर्मकरी | " रोहिणी | जयः | " अग्निमंथ |
| चर्मकरालुकः | पु० बिदारीकंद | जया | स्त्री० भाग, (जयतिथा) |
| चविकाफलं | नपु० गजपीपर | जयन्ती | " इक्षी जयन्ती |
| चत्रिका | स्त्री० मेथी छु | ज्योतिष्मती | " मालककुनी |
| छदनः | पु० स्त्री० मैनफल | जयपालः | पु० जमालगोटा |
| छत्रा | स्त्री० धना, सोंफ, | ज्योतिष्कंड | " मालकाकुन |
| छत्रिका | " सोंफ | जलवेतसः | " जलवेत |
| छिकनी | स्त्री० छिकनी | जलकामुका | यत्री० अर्कपुष्पी |
| छिकिका | " " | जल कारिका | " लज्जालु० लजवन्ती |
| छिन्ना | " गुर्च | जलपिप्पल | " पनिसगा जल पीपर |
| छिन्नरुहा | " " | ज्वरांतकः | पु० चिरायता |
| छिन्नोद्गथा | " " | जातिगंधफला | स्त्री मैथी |
| छिलिहिण्ट | पु० पातालगुडी ज | जातिकोशं | नपु० जायफर |
| जटा | स्त्री० तरमूल जटा- मांसी | जातिपत्री | स्त्री० जाबित्री |
| जटिला | " बच्चे-जटामांसी | जी मूतः | पु० देवदाली |
| जम्बुः | " पु० लाख | जीर्णपत्र | " पडानीकोध |

जीरकः " सफेद जीरा
 जीरणः " "
 जीवन्ती स्त्री हर, गुर्च,
 शाकविदोष
 जीवनी " जीवन्तीशाक
 जीवनीया " "
 जीवः पु० यकायन
 जीवा स्त्री० जीवन्तीशाक
 भ्रू
 भाषा स्त्री गंगेरन
 गुलशकरी
 ट
 डुण्डुकः पु० सोना पाठा
 टंकणं नडुं सोहागा
 टंकारी स्त्री० टंकारि
 ड
 डिएडीरः पु० समुद्रफेन
 * त *
 तगरं नपुं तगरं
 तण्डुलः पु० बाहबिरंग
 तंत्रिका स्त्री० गुर्च
 ततुत्वक् पु० दारचीनी
 तपस्वनी स्त्री० जटामांसी,
 मुखडी
 तपोधना " मुखडी
 तमालपत्रं नपु० पत्रज
 तरुणः पु० सफेद अंड
 तदध्वज " थांस

त्वचि सारः " वांस
 त्वक्सारक " "
 त्वक्क्षीरी स्त्री० बंशलोचन
 वकपत्रं नपुं० तेजपात
 त्वक पु० स्त्री० दालचीनी
 त्वाष्ट्री स्त्री० ब्राह्मी
 ताम्बूलवल्ली " पान
 ताम्बूली " "
 ताम्रपुष्पी " पीलीपाठ
 ताम्रपुष्पः पु० रक्त कचनार
 तामलकी स्त्री० आवला मूसली
 ताम्रपुष्पी " धाय-धवईपुष्प
 ताम्रः पु० अरुसा
 ताम्रचूडः " कुन्दुरु
 ताम्रशैलं नपु० रसोत
 ताम्रशृङ्ग " "
 तालमूली " स्त्री० मूसरकंद
 तित्तः पु० नीव, कुटकी
 तित्तिडीफलं नपुं० जमालगोटा
 तितडीक
 तिरीटः पु० लोध
 तिलपर्णी नपुं० लाल चंदन
 तीक्ष्णतंडुला स्त्री० पीपर
 तीक्ष्णगंधकः पु० सहिजन
 तुगा स्त्री० बंशलोचन
 तुगाक्षीरी " "
 तुत्था " नील, छोटीशला
 थची

| | | | |
|-------------|----------------------------|--------------|-----------------------|
| तुरकः | पु० शिलारस | दालः | पु० ऋषभक, दाल |
| तूरी | स्त्री० धतूरा | दारुभद्रः | " ग्रामाहल्दी |
| तूली | " नील | दारुसिता | " स्त्री० दालचीनी |
| तेजनी | स्त्री० मूवा, दाल- चीनी | दारुं | नपु० देवदार |
| तेजनः | पु० रामशर | दारुहरिद्रा | स्त्री० दारुहल्दी |
| तेजस्वनी | स्त्री० दालचीनी | दासपुरं | नपु० कैवर्ती मोथा |
| | तेजपात | दासी | स्त्री० काकजंघा |
| तेजवती | " तेजवल | { द्विजा | स्त्री रेणुका } |
| तेजोवहा | " " | { दिव्या | " ब्राह्मा } |
| तैलपर्णी | न० ग्रथिपर्णी | दीपनी | " मेथी |
| तैलपर्णिकाः | पु० सफेद चंदन | दीप्यकः | पु० अजमोद, अजवाइन |
| | दं | दीप्या | स्त्री० अजवाइन |
| दण्डहस्ती | पु० पिरडतगर | दीप्यका | " " |
| दद्रुधः | " चकवड | दीर्घजीरकः | पु० सफेद जीरा |
| दन्तबीज | न० जमालगोदा | दीर्घबुंत | " सोनापाठा |
| द्वन्ती | स्त्री दंती बड़ी | दीर्घफलः | " अमलतास |
| दर्भ | पु० कुश | दीर्घपत्रा | स्त्री० शालिपर्णी |
| ददमूलं | न० लघुवृहत् | | (सरिबन) |
| | दोनों पंच मूल युक्त | दीर्घदंड | पु० सफेद जीरा |
| दावी | स्त्री० दाह हल्दी | दीर्घपत्रा | पु० लहशान प्याज |
| | ग्रामा हल्दी | दीर्घपत्रिका | स्त्री श्वेत पुनर्नवा |
| दावीर्द्ध | नपु० देवदार | दीर्घांजी | " शालिपर्णी |
| दाविका | स्त्री० बनगीभी | दुग्ध का | " दुधी |
| द्राविणं | न० बिडनोन, क- | दुग्ध गर्भा | " श्वेत सारिवा |
| | चूर | दुग्धहा | " चिरचिरा |
| द्राविणी | स्त्री० छोटी शला- | दुर्किलिम | न० देवदारु |
| | यची | | |

| | | | |
|---------------|------------------|----------------|--------------------|
| दुर्गधिः | पु० प्याज | ध्वान्तुमाची | „ काकमाची |
| दुरालभा | स्त्री० धमास्ता | ध्वान्तुनाशिनो | „ हाऊवेर |
| दुरालभा | „ „ | धातुकी | „ धाइपुष्प |
| दुःप्रधर्षिणी | „ फल कटैया | धातुपुष्पी | „ „ |
| दुःस्पर्शाः | „ भटकटैया | धातुद्रावक | „ सुहागा |
| दुःस्पर्शाः | पु० कपिकच्छू | धान्यं | न० धना धी |
| देवदारु | „ देवदारु | धान्यकं | „ „ती |
| देवकुसुम | न० लौग | धान्यक | पु० मोथा |
| देवधूपः | पु० गूगर | धाना | स्त्री० |
| देवी | स्त्री० पिरडयाक | धानियकं | नपु० गार |
| | सूर्वा | धामार्गवः | पु० लोपाठ |
| देवनिर्मिता | „ गुर्च | धावनी | स्त्री० भा |
| देवदाली | स्त्री० कटु तुरई | धावनिगुडा | „ पृष्टाठा |
| देवतांडी | „ „ | धात्री | „ आं |
| देवता | „ धतूरा | धात्रीपत्रं | नपुः |
| दैवजग्धं | नपु० कंतुण | धीरः | पु० १० उरदपणी |
| द्रेका | स्त्री० वकाइन | धीरं | नपु० एणुका बीज |
| दैत्या | „ सूर्वा | धीरा | स्त्री० पातालगरुडी |
| द्रोणपुष्पी | „ गूमा | धुत्तरः | पु० स्त्री० पाठा |
| द्रोणा | „ „ | धूमगंधिका | न० पाठा |
| | ध | धूर्तः | पु० कपिकच्छू |
| धतूरः | पु० धतूरा | धेतुका | स्त्री० खुरासानी |
| धन्ववासः | „ जवासा | | अजवाहन |
| धनहरः | „ चोरकगन्धद्रव्य | नकुलेष्टा | स्त्री० मालककुनी, |
| धमनः | „ नरकुल | नखं | नपु० काकजंघा |
| धमनी | स्त्री० नलिका | नखा | स्त्री० नपु० कुष्ट |
| धर्मपत्तन | न० कालीमिर्च | नधुप | स्त्री० फरहद |
| | | | नपु० |

| | | | | |
|------------|-----------|--------------------|------------------------|-------------------|
| नटः | पु० | मैनफल, सोना- | प | |
| ते | | पाठा | पटेरकः | पु० पटेरा |
| ते | स्त्री० | नाड़ी शाक, | पट्टिकालोधः | " लोधपठानी |
| तेजः | | नलिका | पट्टी | स्त्री " |
| तेजः | नपुः | तगर | पदरंजक | नपु० वक |
| | स्त्री० | नाड़ीशाक | पंचांगुला | पु० सफेद अंड |
| तेजवती | " " | | पंचकोलं | नपुः पीपर, पो- |
| तेजोवहा | " | नाइ, रास्नामेद | परामूर चाव, चीता, सोंठ | |
| तैलपर्णी | " " | | समभाग | |
| तैलपर्णीकः | पु | नपु० सोंठ | पतंग | " वक |
| | " | नागकेशर | पथ्या | स्त्री० हर |
| दराडहस्ती | पु० | " | पद्मपत्रा | " कपूर हर्दी |
| दद्रुमः | " | " | पद्मपत्र | नपुः पोहकरमूल |
| दन्तबीज | भक | " | पद्मा | स्त्री० वामनहाटी |
| द्वन्ती | स्त्री० | पान | पद्माटः | पु० चक्रमर्द चक्र |
| दर्भ | पु | स्त्री० पान | बड़ के बीज | |
| ददमूल | न | " इष्टी | पद्मक | नपु० पद्मख |
| दावी | दोनों में | पु० चिरायता | पद्मगन्धि | " " |
| | स्त्री० | भट्टकटैया | पद्माह्वय | नपु० " |
| | | नीव | पयस्विनी | स्त्री० विदारीकंद |
| दावीन्द | नपु० | स्त्री० नाड़ी शाक | जीवशाक | |
| दाविका | स्त्री० | व हल्दी | पयस्या | " अर्कपुष्पी |
| दाविण | न० | दि० भटेउर ग्रन्थ | प्लीहहन्त्री | " हाऊबेर |
| | | पर्णमेद | पर्जन्या | " दारुहल्दी |
| दाविण | स्त्री० | पु० स्त्री० इलायची | पर्जनी | " " |
| | | नपुः ग्रन्धिपर्णी | पर्पटकः | पु० पित्तपापड़ा |
| | | पु० चिरायता | पर्पटः | " " |

प्रस्थकाम्बुदा स्त्री माचिका
 प्रवालफलं नपु० लाल चंदन
 प्रवरं " अगार काला
 प्रतीयशः पु० सफेद आक
 प्रपौण्डरीकं नपु० पुरंडेरी,
 प्रतापनी स्त्री० गंधप्रसारिणी
 प्रतिविषा " अतीस
 प्रत्यकपर्णी " दन्ता बड़ी,
 चिरचिरा लाल
 प्रकीर्यः पु० कंज
 प्रपुष्पाट " चक्रमर्द,
 चकबड़ के बीज
 प्रसारिणी स्त्री० ग्रन्थप्रसारिणी
 पसरन, खीप
 प्रहारबल्ली " रोहिणी
 परिब्याधः पु० जलवेतस
 परिपेलवं नपु० तालीस
 कैवर्ती मोथा
 पृथ्वी स्त्री० कलौजी
 पृथ्वी का " " बड़ी इलायची
 हिंगुपत्री
 प्रथुक " " हिंगुपत्री
 प्रथुशिवः पु० सोनापाठा
 प्रथकपर्णी " पृष्ठपर्णी
 प्रथु " हिंगुपत्री
 प्रथुपलशिका स्त्री० गंधपलाशी
 प्रथुकृष्णा " कलौजी
 पृष्टिपर्णी " पृष्टिपर्णी

पलंकषा " लाख, गूगर, गुलुरु
 पलांडु पु० प्याज
 पलाशी स्त्री० गंधकपलाशी
 पवनेष्टः पु० लहसन
 पशुमेहनकारिका स्त्री० चंद्रशर
 पत्रं नपु० मलुबालक पत्रज
 पत्रनामकं " पत्रज
 पत्राद्यं नपु० तालीस कैवर्ती
 मोथा
 पाकं " तिलबण
 पाकहारः पु० जवाखार
 पाटला स्त्री० पीलीपाठ
 पाटलिः पु० "
 पाठा स्त्री० पाठा
 पाठिका " पाठा
 पांडुरदुम पु० कुड़ा
 पांडुलीमशपर्णी स्त्री० उरदपर्णी
 पाण्डुपुत्री " रेणुका बीज
 पातालगरुणावहः पु० पातालगरुड़ी
 पापचेलिका स्त्री० पाठा
 प्राचीना " पाठा
 प्रावृषायणी " कपिकच्छू
 पारसीकयवानी स्त्री खुशसानी
 अजवाइन
 पारावतपदी " भालककुनी,
 काकजंधा
 पारिभाष्य नपु० कुष्ट
 पारिजातकः पु० फरहद

| | | | |
|--------------|----------------------------|------------|----------------------------------|
| पारिमद्रः | " मन्सारभेद | पीलुपर्णी | " मूर्वा |
| पार्थिवी | " स्त्रीकाला निशोत | पीवरो | " शितावर, शालि पर्णी |
| पांशुपर्यायः | " पु० पिच्छपापरा | पुनर्नवा | " श्वेतपुनर्नवा |
| प्राशुलवणं | " नपु० रेहनमक | पुन्नाट | " चक्रमर्द चक्रवड के बीज |
| पापाणभेदकः | पाथर चूर | पुरः | पु० शूगर |
| पिका | " स्त्री० पिंडशाक | पुष्करमूल | न० पोहकरमूल |
| पिचुमर्दः | " पु० नीव | पुष्करम् | " " |
| पिचुमर्द | " " | पुष्पवस्ता | स्त्री हाऊवेर |
| पिंड | " मैनफल | पूतना | " हरि |
| पिंडीतकः | " " | पूतिका | पु० कंज |
| पिंडी | स्त्री० वंशपत्री | पूतिकरजः | " " |
| पिप्पली | " पीपर | पूतिफली | स्त्री० वाकुजी |
| पिप्पलीमूलं | नपुः पीपरामूर | पौटगलः | पु० नलसर नरकुल कांस |
| प्रियंगु | " पु० मालकाकुन | पौंडरीकं | न० पुंंडेरी |
| प्रियकरो | स्त्री० सफेद कटैया | पौंडर्य | " " |
| प्रिया | " गंधप्रियंगु | पौठकरम् | " पीहकरमूल फ |
| पिशुनं | न० कुंकुम | फज्जी | स्त्री० वामनहाटी |
| पीठ | पु० चित्रक | फेनः | पु० समुद्रफेन |
| पीतदारु | " दारुहल्दी | फलत्रिकं | नपुः त्रिफला |
| पीतदुग्धा | स्त्री० चौक | फलिनी | स्त्री० प्रियङ्गु, माल- काकुन |
| पीतवृक्षः | पु० स्निग्ध देवदारु | फलेरहा | " पीलीपाठ पाटल |
| पीतपुष्पः | " सहदेवी | फलेपुष्पा | " गुम |
| पीतक | न० कुंकुम | | |
| पीतरंहिणी | स्त्री० गम्भारी | | |
| पीतामं | न० पीलाचन्दन | | |
| पीता | स्त्री० दारुहल्दी हल्दी | | |

| ब | वालम् | नपु० सुगन्धवाला |
|---------------------------------|------------|----------------------|
| बधू स्त्री गंध पलासी मेदाकचूर | वालकं | " " |
| बंध्याककोटी " वाभूखसा | वालार्कः | पु० श्वेत आक |
| ककोराकन्द | वाहिका | स्त्री० मछेड़ी |
| ब्रह्मदर्भा " अजवाइन | बोधिनी | " मैथी |
| ब्रह्मकुशा " अजमोद | | भ |
| ब्रह्माण्डूकी " ब्राह्मी | भंगरा | स्त्री० अतीस |
| ब्रह्मसुदुर्लभा " हुरदुरा; रक्त | भंडी | " मजीठ |
| बलभद्रः " त्रायमाना | भंडोरी | " " |
| बत्या " गंधप्रसारिणी | भंडीतकी | " " |
| बलामीटा " नागदमनी | भद्रयवः | पु० इन्द्र जी |
| ब्राह्मण यष्टिका भारङ्गी | भद्रः | " सफेद चंदन |
| बालाणी " शर, पिरडशाक | भद्रमुंजं | " सरपत |
| बाम्ही " ब्राह्मी | भद्रमुस्ता | स्त्री० नागरमोथा |
| बहुपत्रिका " मैथी | भद्रपर्णी | स्त्री० गंभारी, गंध- |
| बहुवीजा " " | | प्रसारिणी |
| बहुपर्णी " वनमैथी | भद्रा | " चंद्रशूर कैफरा |
| बहुपुष्पी " धाय | | गंधप्रसारिणी |
| बहुला " बड़ी इलायची | भद्रवती | " कैफरा |
| बहुमूलकं " न० वीरणकंद | भद्रैला | " बड़ी इलायची |
| उशीर | भृगुभवा | स्त्री० भारङ्गी |
| बहुतुता " स्त्री० शितावर | भृङ्गमं | नपु० तेजपात |
| बहुफला " आंवला आलु- | भृङ्गराजः | पु० बमरा |
| बुखारा | भृङ्गरजः | " " |
| बहुपत्रा " आंवला आलुकरणी | भृङ्गारः | " " |
| बहुवीर्या " " | भल्ली | स्त्री० भिलावा |
| धामपुष्पी " स्त्री० चंद्रशूर | भल्लातकः | पु० भिलावा |
| शालयुक्ति का " माचिका | भस्मगंधा | स्त्री० रंशुका |

| | | | |
|---------------|-------------------------------|--------------|--------------------------|
| भार्गवी | " नील कुर्वा | मन्था | " मैथी |
| भिन्नुः | पु० तालमखाना | मन्थपार्क | नपु० कालानमक |
| भिन्नपांजनी | " स्त्री० पापाण- भेद, गेरू | मदनः | पु० मैतफल, धतूरा |
| भिषङ्गमाता | " अरुसा | मन्दारः | " श्वेत आक |
| भीरु | पु० शितावर | मधुरा | स्त्री० लौक, मैथी |
| भुजङ्गाक्षी | स्त्री० नाइ, रास्ना- भेद | मधुपर्णिका | " नील, गंभारी |
| भूकदम्बिका | " मुरडी | मधुपर्णी | " गुर्च |
| भूनिम्बः | पु० चिरायता | मधुपूती | " पीलीपाठ |
| भूतजटा | स्त्री० जटामांसी | मधुरसा | " गम्भीरी |
| भूतृण | नपु० भूतृण कत्तृण | मधुश्रवा | " जीवशांक |
| भूतीक | " रोहिषतृण, भूतृण | मधूकपर्णी | " पु० लोनापाठा |
| भूरिकेना | स्त्री० थूहर, सेदुण्ड भेद | मधूलिका | " स्त्री मोरेठी |
| | म | मयूरविदला | " माचिका |
| मफूलकः | पु० स्त्री० दंतीछोटो | मयूरकः | " पु० विरचिरा |
| मंगल नाम धेया | स्त्री० जीवशाक | मयूरः | " अजमोद |
| मंगल्या | " बच्च गोरोखन | मृगनाभि | " कस्तूरी |
| मंजिष्ठा | " मजीठ | मृगमदः | " कस्तूरी |
| मंजूषा | " " | मृगादिनी | स्त्री० इन्द्रधारणी |
| मंजूषा | " " | मृगाक्षी | " " |
| मंजूषा | " " | मृगैवारुः | " " |
| मंडली | " गुर्च | मर्कटी | " कंजी दौदिया चिरचिरा |
| मत्स्यगंधा | " हाऊवर | मरिच | नपु० मिर्च |
| मत्स्यशकला | " कुटकी | मरुभ्याली | पु० पिंडशाक |
| मत्स्यपित्ता | " " | मरुवकः | " मैतफल |
| मत्स्याक्षी | " गांठ कुर्वा मलेडी | मल्लिकोपुष्प | " कुदा |

भ्लैक्षकन्दः " लहसन
 मलयजः " पु० सफेद चन्दन
 मस्कर " वांस
 मस्तदारु " नपु० देवदारु
 मसुरबिदला " स्त्री कालानिशोत
 महती " स्त्री० भटकद्वैधा
 महाकुलुमिका गम्भारी
 महासहा " उरदपर्णी
 महामोही " पु० धतूरा
 महानिम्ब " बकायन
 महाबला " स्त्री० सहदेवी
 महाशतावरी ,, महाशितावर
 महाफेला " इन्द्रवारुणी
 महाप्रावणिका ,, मुरली
 महिषाक्षः " पु० गूगर
 महिलाह्वया " प्रियंगु
 महोदरो " स्त्री० महाशितावर
 महोष्ठी " भटकद्वैथा
 महोवधं नपु० सोंठ, लहसन
 भागधो स्त्री० पीपर
 भाणिमन्थ न० संधानमक
 मातुलानी स्त्री भांग
 मातुलः पु० धतूरा
 मातुल पुत्रकः ,, धतूरे का फल
 मालती फलं नपु० जायफल
 मालव पु० लहसन
 मालुरः ,, बेज
 मालातृणकं नपु० भूतण

माषपर्णी स्त्री० उरदपर्णी
 मासरोहिणी " रोहिणी
 मिथिनी " मैथी
 मिश्रपुष्पा " मेथी
 मिश्रेया " स्त्री सोवा
 मिसि " पु० सोंफ सोया
 मुकुन्दः " मुकुन्द गेरू
 मुखदूषकः " प्याज
 मुग्दपर्णी " मुग्दपर्णी
 मुञ्जः " मूँज
 मुञ्जातकः " "
 मुरडधिका " स्त्री० मुरली
 मुरली " "
 मुष्क " पु० सफेदपाठ
 मुस्तं स्त्री० मौथा
 मुस्तकं नपु० "
 मुस्तावत पु० कैवर्तमौथा
 मोचकः ,, सहजना
 मोघा स्त्री० पीलीपाठ
 मोक्षकः ,, सफेदपाठ
 य
 यवसाब्धिया स्त्री० अजवाइन
 यवन देशजः पु० शिलारस
 यवनेष्ट ,, प्याज
 यवफल ,, कुठ
 यवं ,, नपु० इन्द्रजौ
 यद्योमधु ,, न० मोरेडी
 यद्योमधुक " "

| | | | |
|-------------|---------------------|-----------|---------------------------|
| यष्टी | स्त्री० मोरेठो | रसना | स्त्री० वाइसुरई |
| यवक्षारः | पु० जवाखार | रस्या | " " |
| यवाग्रजः | " " | रसा | " " |
| यवानिका | स्त्री० अजवाइन | रसायनी | " मजीठ |
| यवासः | " पु० जवासा | रसांजन | नपु० रसोत |
| यवधूपः | " रार | रसाम्लं | " चूक |
| यवभूषण | " कुश | रसोन | " लहसन |
| यावः | " लाख | रसोनकः | पु० लहसन |
| यासः | " जवासा | राजपुत्री | स्त्री० रेणुकाबीज |
| याम्य | " कूट | राजवृक्षः | पु० अमलतास |
| यावशूकः | " जवाखार | राजाहं | नपु० अग्रर |
| युक्तरसा- | स्त्री० रासना | रामटं | हींग |
| युगपत्रकः | पु० रक्तकचनार | रामसेनक | पु० चिरायता |
| योगजं | नपु० अग्रर | रालः | " रार |
| योगेश्वरो | " स्त्री० ककौराकन्द | रास्ना | स्त्री० वायसुरई |
| योजनबल्ली | " मजीठ | रोगावहयं | नपु० कूट |
| योषिद्रिया | " हल्दी | रोहिणी | स्त्री० हरं, कुटकी |
| | र | रौमकं | नपु० सांभररत्नक |
| रक्तम् | नपु० कुंकुम | | ल |
| रक्ताङ्गो | स्त्री० मजीठ | लघु | नपु० उशीरवत पीत |
| रक्ताङ्गम् | नपु० लालचंदन, | | धर्षा वृण |
| | कवीला | लघुपंचमूल | " शालिपर्णी, पृष्ट- |
| रक्तचंदन | " " | | पर्णी दोनों कटेली, गुडुरु |
| रक्तयष्टिका | स्त्री० मजीठ | लज्जालु | पु० लजघंती |
| रक्तसारम् | नपु० बक पतंग | लता | स्त्री० मालकाकुन, |
| रञ्जना | स्त्री० श्वेतपापड़ा | | पियंगु |
| रंजन | न० बक पतंग | लतालघुः | पु० पिरण्डशाक |
| रसगंगम् | नपु० रसोत | लवंग | नपु० लौंग |

| | | | |
|----------------|-----------------------------|---------------|---|
| लयं | " उशीरवत पीत वर्णं तृण | वन्निहिशिखं | नपु० कुंकुम |
| लशुनः | पु० लहसुन | वन्था | स्त्री० गोरोचन |
| लक्ष्मणाः | स्त्री० सफेदकटैया | वन्दा | " वंदा पेड़ों पर एक वृक्ष होता है |
| लांगुली | " कलिहारी | वन्दाकः | पु० " |
| लामञ्जकं | नपु० उशीरवत पीतवर्णं तृण | व्यङ्गा | स्त्री० कौंचबीज |
| लाक्षा | स्त्री० लाक्ष | वयस्था | " गुर्च, कलि- हारी, हर् |
| लाक्षाप्रसादनः | पु० पठानी लोध | व्याधिधात | पु० अमलतास |
| लोध्र | " लोध | व्याघ्रनखं | नपु० नख |
| लोमशा | स्त्री० बन्ध | व्याघ्रयुधं | " " |
| लोहं | नपु० अमर व | व्याघ्री | स्त्री० भटकटैया |
| वरवर्णिनी | स्त्री० हल्दी | व्याघ्रपुच्छः | पु० लालअंड, सफेदअंड |
| वज्रद्रुमः | पु० सिहुंडा | व्याल | " चित्रक |
| वज्रांगी | स्त्री० हरलिहार | व्योषः | " त्रिकुटा |
| वज्री | " सिहुंडा | व्यामपौरम | नपु० कतुण |
| वटपत्र | " वटपत्री | वृत्तकोषः | " देवदाली |
| वत्सकः | पु० कुड़ा | वृत्तफलः | " लाल चिरचिरा |
| वत्सादिनी | स्त्री० गुर्च, कलि- हारी | वृत्ता | स्त्री० रोहिणी |
| वदरा | " असगंध, हुर- हुरा | वृद्धं | नपु० भूरिछरीला |
| वधू | " पिण्डशाक | वृग्भः | पु० ऋषभक |
| वनजः | पु० तुम्बुरफला | वृष | " अरुसा |
| वनिता | स्त्री० मेंहदी | वृष्या | " कपिकच्छू |
| वनश्रंगाटक | " गुल्म | वृषकेतुः | " लालपुननंदा |
| वन्निहज्वाला | स्त्री० धायफूल | वृहतपंचमूल | नपु० वेल, सोना, पाठा, गंभारी, पीलीपाठा, अग्निमंथ सहित |

| | | | |
|--------------|-------------------------|--------------|----------------------|
| बृहतो | स्त्री भटकटैया | वंशजा | " " |
| बृहत्पत्र | पु० लोध | वंशक्षीरी | " " |
| बृहद्देला | स्त्री बड़ी इलायची | वंशपत्रो | " वंशपत्री |
| वृक्षकः | पु० कुठ | वंश | " पु० वांस |
| वृक्षभक्ष्या | स्त्री चन्दा | वशिरः | नपु० स्त्री गजपीपर |
| वृक्षरुहा | " " | | समुद्रफेन |
| वृक्षादिनी | " " | वंशिकं | नपुः अगार |
| वृक्षामयः | पु० लाख | वसिर | पु० लालचिरचिरा |
| वृक्षधूपकः | " सरल का गोंद, | वसुकः | " सफेद आक |
| | गूगरभेद | वस्त्र रंजनी | " स्त्री मजीठ |
| वर्द्धमावः | " सफेद अंड | वस्त्र रंजक | " पु० कुंकुम |
| वर्हिणम् | " नपुः पिण्डतगर | वहिवकाः | " स्त्री० ललिहारी |
| वर्हिष्ठम् | " सुगन्धवाला | वाजनामादिः | " पु० असगंध |
| वर्हिः | " पु० यूहर ग्रन्थिपर्णी | वाजिदंता | " स्त्री० अरुसा |
| | भेद, कुश | वाट्या | " स्त्री० वरिअरा |
| वर्ह | " " | वाट्यालिका | " " |
| वरतिकका | " स्त्री पाठा | वाट्यालका | " " |
| वरदा | " असगन्ध | वाणः | पु० मूँज, सरपता |
| वरतिकः | पु० पित्तपापड़ा | वातारिः | " लालअंड, सफेद अंड |
| वरम् | नपु० कुंकुम | वाथँ | नपु० कूट |
| वरा | स्त्री० त्रिफला | वायसी | " स्त्री० काकमाखी, |
| वराङ्गम् | नपु० तेजपात | | करंजी |
| वराहषदना | स्त्री विदारीकन्द | वाराहांगो | स्त्री० दम्ती छोटी |
| वराहकर्णी | " असगन्ध | वारिदनामकं | नपु० मोंथा |
| वरी | " शितावर, दन्ती | वारुणी | स्त्री० इन्द्रवारुणी |
| | बड़ी | वार्ताकी | " फलकटैया |
| वस्त्रो | " मैथी | | |
| वंशलोचना | " वंशलोचन | | |

चालहीकं नपु० ह्रीं, कुंकुम
 चालेयं " कैवर्तीमोथा
 वाशिका स्त्री० अरुसा
 वास्थियुंजला " हरलिहार
 वासकः पु० अरुसा
 वासा स्त्री० "
 वांसी " वंशलोचन
 विकशा " रोहिणी
 विकसा " मजीठ
 विकीरण पु० सफेद आक
 विक्षोरिणी " दुधी
 विजया " भांग, हर
 विडं नपु० विडनोन

वायविरंग

वितुन्नकं कैवर्ती मोथा, धना
 विदारिगंधा स्त्री० शालपर्णी
 विदुलः पु० वेंत, धूहर, सेड्डाभेद
 विदारी स्त्री० विदारीकन्द
 विद्रुमलता " नीलका
 विभीतकः पु० बहेरा
 विमला स्त्री० धूहर, सेड्डाभेद
 विल्वः पु० वेल
 विश्वक सेनाङ्गना स्त्री०

गंधप्रियंगु

विश्वा नपु० सोंठ
 विशल्या स्त्री० दन्तीछोटो,
 गुर्च, कलिहारी

विश्वभेषजं नपु० सोंठ
 विश्व स्त्री० सोंठ, अतीस
 विशाला " इन्द्रवास्णी
 विषझी " हाऊवेर
 विषपुण्यका पु० मैनाफल
 विषनाशिनी स्त्री० नाइ, रास्ना
 मेद
 विषकंटकिनी " वांभ ककोड़ाकंद
 विषमुष्टिक पु० वकाइन
 विष्णुकांता स्त्री० लताविशेष
 विषा " अतीस
 विषाणी " मेढासिंगी,
 ऋषभक

विषापहा " नागदमनो
 वीरवल्ली " रोहिणी
 वीरणं " नपु० वीरणकंद
 वीरतरु " पु० "
 वीरं " नपु० वीरणकन्द
 वीरवृक्षा " पु० भिलावा
 वेणी " स्त्री० देवदाली
 वेणु " पु० बांस
 वेतसः " पु० वेत
 वेदमुख्या स्त्री० कस्तूरी
 वेल्हजं नपु० कालीमिर्च
 वेल्हम् " बाइविरंग
 वैजयन्तिका स्त्री० इन्धी
 वैणवी वंशलोचन

| श | श्रीः |
|-----------------------------------|-----------------------------------|
| शकपुष्पी स्त्री० कलिहारो | " सफेदचन्दन |
| शक्रशाखी " कूट | श्रीखँड " नपु० " |
| शकुलादिनी कुटकी, जलपीपर | श्रीवासः पु० सरल का गोंद |
| शकुलाक्षकः पु० गांठ दूर्वा | श्रीवेष्टः " " वेरोजा |
| शंखपुष्पी शंखपुष्पी | श्रीप्रसूतकं नपु० लोंग |
| शंखावहा " " | श्रीसंज्ञं " " |
| शटी स्त्री कचूर | श्रीफलः " बेल |
| शठी " कपूरकचरो दारु- हल्दी | श्रीपर्णी स्त्री० गम्भारी इन्नी |
| शणपुष्पी " चिहुल शनपुष्पी | श्रीपर्णिका " जायफल |
| शतपुष्पा " सौंफ | श्रीफली " नील |
| शतपर्वकी " वच | श्रवणशीर्षका " मुरडी |
| शतकुंभाः " ३० सफेदकड़ेल | श्रवणावह्या " " |
| शतपर्वा वांस | श्रावणो " " |
| शतफली " वांस | श्रेयसी " हर, गजपीपर, बाय सुरई |
| शतपर्धिका " नीलदूर्वा | शरः पु० रामशर, सरपत |
| शतबल्ली " " | शरपुखः " सरफोंका |
| शतवीर्या " श्वेतदूर्वा शितावर | शरो स्त्री० मोंथीतृण |
| शतपदी " शितावर | शर्यकः पु० मैनफल |
| शतमूली " महाशितावर | श्यामक नपु० रोहिपत्तृण |
| शतावहा " सौंफ | श्यामा " गंधप्रयंगु |
| शंपाकः पु० अमलतास | श्येनेष्टा स्त्री० दन्तीछोटी |
| शमीपत्रा " लजवंती | श्योनाकः पु० सोनापाठा |
| श्रंगवेरा " स्त्री, पटेरा | श्वादिष्टा स्त्री० गुखरू |
| शृंगवेर नपु० अदरक, सोंठ | श्वेतपुष्पा स्त्री० नागपुष्प |
| शृंगी स्त्री काकड़ासिंगी, अतीस | श्वेतपुष्पं नपु० निर्गुणडी |
| | श्वेतमरिचं " सहिजनाके बीज |
| | श्वेतपुष्पः पु० सफेद आक, |

| सफेद कडैल | | शुकनासः | पु० सोनापाठा |
|-------------|-----------------------------|------------|--------------------------|
| श्वेतमूला | „ श्वेत पुनर्नवा | शुकं | नपु० ग्रंथपर्णीभेद |
| शप्यं | नपु० नीलदूर्वा | शुकवम् | „ „ |
| शाकंभरीयं | „ साम्हरिनमक | शुकपुष्पं | „ „ |
| शाकश्रेष्ठा | „ जीवशाक | शुकच्छदं | „ „ |
| शाटिल्य | „ वेल | शुककन्द | स्त्री० अतीस |
| शातला | स्त्री० थूहर, सेहुंड भेद | शुकं | नपु० चूक |
| शारदी | „ जल पीपर | शुकपलं | „ लाल आक |
| शारिवा | „ अनन्तमूल | शुकाम् | „ कैवर्तीमोथा |
| शालनिर्यासः | पु० राल | शुरडो | स्त्री० सोंठ |
| शालपर्णिका | स्त्री० मूर्वा | शुभा | „ वंशलोचन |
| शालिपर्णी | „ सरिवन | शुभा | „ „ |
| शालीनः | पु० सोंफ | शकशिम्बी | „ कोंचबीज |
| शालेयं | „ „ | शनमध्य | पु० नरकुल |
| शावरः | „ लोध | शेफालो | „ निर्गुण्डी |
| शिलाटिका | स्त्री० लालपुनर्नवा | शैलूष | पु० वेल |
| शिलापुष्पा | नपु० लोवान, भूर छुरीला | शैलेयं | नपु० भूर छुरीला लोवान |
| शिव | „ सैधानमक | शोणपुष्पकः | पु० कचनार |
| शिवा | स्त्री० हर्द, आमला आलू | शोणिताभिध | नपु० कुंकुम |
| शिविः | „ मोथातृण | शोधनः | पु० लालपुनर्नवा |
| शियः | पु० सेंजना | शोधनो | स्त्री० श्वेतपुनर्नवा |
| शीघ्रा | स्त्री० दंतीछोट्टी | शोफकत | त्रि० भिलावा |
| शीतं | नपु० सैधानोन | शोभाञ्जनः | पु० सेंजना |
| शीर्णरोमं | „ ग्रन्थपर्णी | शोषणः | „ सोनापाठा |
| | | शोरडी | स्त्री० पीपर |
| | | पडग्रंथा | व |
| | | | स्त्री० वच, गंधप- |

| | | |
|---------------------------------|-------------|---------------------|
| लासी कंजी | सलोहिता | स्त्रीसैजनके बीज |
| पट्टपणं नपु० सोंठ, मिर्च, पीपर | स्वर्जिका | " सजी |
| पीपरामूर, चव चीता समभाग | स्वल्पकेशरी | रक्तकचनार |
| स | वर्णभूषणः | पु० अमलतास |
| संकोचं नपु० कुंकुम | स्वर्णकः | पु० अमलतास |
| सदापुष्प पु० म्वेत आक | स्वर्णवल्ली | स्त्री० स्वर्णवल्ली |
| स्पृक्षा " पिण्डशाक | स्वाढी | " दालचीनी |
| स्फोटः " स्त्री० श्वेतसारिवा | स्वाद कंदक | पु० गुखरू |
| स्फोटः " पु० रक्तआक | स्वादपर्णी | स्त्री० दुधी |
| सगा स्त्री० लजवती, मजीठ | स्वर्णङ्ग | पु० अमलतास |
| समगंधिकं नपु० उशीर वीरणमूल | स्थूलदर्भा | " मूज |
| समस्तका स्त्री० अजमोद | स्थूलवलकलः | पु० पटानीलोध |
| समंतदुग्धा " सेहुंडा | स्थूला | स्त्री० बड़ीइलायची |
| समुद्रफेनः पु० समुद्रफेन | संहिता | " सोंफ |
| समुद्रान्ता स्त्री० जवासा, कपास | सहदेवी | " सहदेवी |
| स्रुक " सेहुंडा | सहस्रवेधि | नपु० हींग, चूक |
| स्रक " पिण्ड शाक | सहस्रभित | पु० कस्तूरी |
| सर्जरस पु० शर | सहस्रवीर्या | स्त्री० महाशिता |
| सर्पाङ्गी स्त्री० नाइ रास्नाभेद | | वर, नीलदूर्वा |
| सर्पाक्षी सरहरी | सहस्रा | " माचिका |
| सर्वरस पु० राल | सहस्राहिः | " मोरसिखा |
| सर्वानुभूत स्त्री० श्वेतनिशोत | सहा | " मुग्धपर्णी |
| सरणी स्त्री० गंधप्रसारिणी | सागरनं | नपु० समुद्रफेन |
| सरलस्त्रावः पु० सरलका गोंद | सातला | स्त्री० थूहर, से- |
| सरलः पु० स्निग्ध देवदार- | | हुंडभेद |
| | | श्वेत निशोथ |
| सरस्वती स्त्री० ब्राह्मी | सानजः | पु० तुम्बरफल |
| | सामुद्रनं | नपु० समुद्रफेन |

| | | | |
|-------------|-----------------------------------|--------------|---------------------------------|
| सारा | स्त्री० थूहर, से- हुँड भेद | सुदर्सना | " सुदर्सन |
| सारणी | ,, गंधप्रसारिणी | सुधा | " सेहुँडा |
| सारिवा | स्त्री० अनन्तमूल | सुनालं | नपु० उशोरघतपीत वर्ण तृण |
| सावरः | पु० लोध्र | सुपीर्णका | स्त्री० वाकुची |
| सिता | स्त्री० विदारीकंद, शकर | सुभिन्ना | " धाय |
| सिताम्रः | पु० कपूर | सुमेरवलः | पु० मूँज |
| सितछत्रा | ,, सौफ | सुरसा | स्त्री० रास्ना, नाह |
| सिन्दुकः | " निर्गुणडी | सुरभी | " कपूर हल्दी |
| सिन्दुवारः | " " | सुरतारका | " " |
| सिन्दुवारकः | " " | सुरंग | नपु० वच |
| सिद्धिकः | " शिलारस | सुरभूरुहः | पु० देवदारु |
| सिंहतुण्डः | " सिहुँडा | सुरभिदारकः | " स्निग्धदेवदार |
| सिंहपुच्छी | स्त्री० पृष्ठपर्णी | सुरभिः | " मूर्वा |
| सिंहपर्णः | पु० अरुसा | सुरमितः | स्त्री० कपूरहल्दी |
| सिंहास्या | " " | सुलोमशा | " काकजंघा |
| सिंहिका | स्त्री० " | सुवर्चला | " दुरदुरा |
| सिंही | " फल कटैया | सुवहा | " नाह, निर्गुणडी |
| सुवर्चिकः | पु० सजी | सुवृता | " गंधद्रव्य गंध- पलासी |
| सुगंधं | नपु० भूतृणै | सुपवी | " कलौजी |
| सुगन्धः | पु० कालाजीरा शिलारस, कुन्दरगौद | सुषिरा | " नलिका |
| सुगन्धम् | नपु० ग्रंथपर्णीभेद | सुषेणिका | " काला निशोथ |
| सुगन्धिः | " पलबालक | सूच्यग्रः | पु० कुश |
| सुगन्धा | स्त्री० रास्ना, श्याम- शारिवा | सूर्यपर्णिका | स्त्री० मुग्धपर्णी, मापपर्णी |

| | | | |
|--------------|-----------------------|--------------|-------------------|
| सूर्यभक्ता | " हुरहुरा | हृदयितासिनी | नखी |
| सूर्यवर्ता | " " | हनुः | नु० " |
| सूक्ष्मपत्रः | पु० " | हृथपुच्छिका | स्त्री० उरदपर्णी |
| सूक्ष्मा | स्त्री० छोटी | हरिद्रा | " हल्दी |
| | इलायची | हरिद्रः | पु० दासहल्दी |
| सेव्यं | नपु० उशीरवी- | हरिचन्दनं | नपु० चन्दन पीला |
| | रणतृण | | (पतंग) |
| " | " उशीरवतपीत- | हरिचिं | " " |
| | वर्ण तृण | हरिबालुकम् | " पलुबालुक |
| सेदुरण्डः | पु० सिद्धुंड़ा | | (पलुवा) |
| सोमवल्ली | स्त्री० गुर्च, वाकुची | हरिचिग्रहा | " स्त्री० भ्रमासा |
| सोम्या | " शालिपर्णी | हरीतकी | " हर् |
| सोमवल्कलः | पु० घोराकुंज | हृदयितासिनी | " हल्दी |
| सोमदीरी | स्त्री० सोमलता | हृस्वगणेषुका | " कुलसकरीभंगेरन |
| सोमरानी | " वाकुची | हलदी | स्त्री० हल्दी |
| सोमा | " गुर्च | हलिनी | स्त्री० कलिहारी |
| सौगन्धिकं | नपुः कतृण, रोहिव- | हनुषा | स्त्री० हाऊवेर |
| | तृण | हस्ति वारुणी | " कंजी आदि |
| सौभाग्यं | " सुहागा | हंसपदी | " हंसपदी, हंस |
| सौमलता | स्त्री० सोमलता | | राज |
| सौमवल्ली | " " | हंसपादी | " " |
| सौरः | पु० तुम्बरफल | हिगु | पु० हींग |
| | (तेज बलफल) | हिगुनिर्यासः | " नील |
| सौरभः | " " | हिगुली | स्त्री० भट्टकटैया |
| सौवर्चलं | नपुः कालानोन | हिगुपत्री | " हिगुपत्री |
| | ह | हिगुसवारिका | " वंशपत्री |
| हजिका | स्त्री० गार | हिजतः | पु० इजल |

| | | | |
|---------------|--|----------------|--------------------------------|
| हिमशालुकः | स्त्री० कपूर | क्षुद्रभद्रा | " भटकटैया |
| हिमनाम | नपु० कपूर | क्षुद्रवर्षाभू | " लाल पुनर्नवा |
| हिमावतो | स्त्री० चौक | क्षुद्रा | " भटकटैया |
| हीरा | " गम्भारी | क्षुरः | पु० तालमखाना |
| हीवेरं | नपु० सुगन्धवाला | क्षुरकाः | पु० मुखरुः ताल मखाना |
| हेतुः | पु० महाशितावर | क्षेत्रदूतिका | " सफेद फूल- वाली कटैया |
| हेमक्षीरो | स्त्री० चौक, सत्या नासो, बंगकटेरी | | |
| हंमावहा | " " | | |
| हेमवती | " हरे चौक (बंग- कटेरी) | च | |
| | क्ष | च्यूपणं | नपु० त्रिकुटा |
| क्षारः | पु० यवक्षार, जवाखार | त्रायमाना | स्त्री० त्रायमाण |
| क्षारद्रव्यं | नपु० सज्जी, जवाखार | त्रायन्ती | " " |
| क्षाराष्टकं | " ढांक, अपामार, चिरचिरा, आक, थूहर, यवसज्जी, सुहागा | त्रिकुटः | पु० त्रिकुटा |
| क्षारत्रयं | " सोहागा, जवाखार सज्जी | त्रिकण्टः | " मुखरु |
| क्षीरवल्ली | स्त्री० विदारीकंद | त्रिकण्टक | स्त्री० " |
| क्षीरयुक्ता | " " | त्रिजातं | नपु० दालचीनी, इलायची, पत्रज |
| क्षीरा | " दुग्धी | त्रिपर्णी | स्त्री० शालिपर्णी |
| क्षुद्रचंदनं | नपु० लालचंदन | त्रिपुटा | " श्वेत निशोथ |
| क्षुद्रपत्रः | पु० डाम | त्रिपादिका | " हंसपदी, हंसराज |
| क्षुद्रभंडाकी | " कटैया छोटेफल | त्रिवृता | " श्वेत निशोथ |
| | | त्रिवृता | " " |
| | | त्रिष्वफला | " आम्वला |

अनुभूत योगमाला ग्रन्थमाला द्वारा प्रकाशित

उत्तमोत्तम पुस्तकें ।

- १—राजयक्ष्मा-तपेदिक मिटाने के उपाय, मू० =)
- २—क्ष्मा-श्वास के दूर करने के उपाय, मू० ।)
- ३—अर्श-ववासीर नष्ट करने के उपाय, मू० ॥)
- ४—हरिधारित ग्रन्थ-समस्त रोगों के सुलभ योग, मू० ।=)
- ५—मोहा-तिल्ली की अपूर्व पुस्तक, मू० ।-)
- ६—स्त्री रोग चिकित्सा, मू० ॥)
- ७—सिद्धौषधिप्रकाश-(यन्त्रस्थ) मू० १॥)
- ८—ब्रणोपचारपद्धति-घावों का इलाज, मू० =)
- ९—सिद्धप्रयोग (प्रथम भाग) मू० १)
- १०—सिद्धप्रयोग (द्वितीय भाग) मू० ४)
- ११—वैद्यकशब्दकोष-संस्कृत से हिन्दी में, मू० ।)
- १२—अश्मरो रोग चिकित्सा-पथरो रोग का वर्णन है, मू० ।)
- १३—आत्रेय वचनामृत-आत्रेय मुनि के अमृतमय उपदेश, मू० ॥)
- १४—विन्ध्यमहात्म-विन्ध्यवासिनी देवी का इतिहास, मू० १॥)
- १५—स्वास्थ्यविज्ञान-स्वास्थ्य विषय को एक ही पुस्तक है, ॥)
- १६—मधुमेह-अपने विषय को एक ही पुस्तक है, मू० ॥)
- १७—औषधिगुणधर्मविवेचन (प्रथम भाग) मू० ॥)
- १८—चिकित्सक व्यवहार विज्ञान-विषय नामसे ही प्रगट है, मू० ।)
- १९—भारतीय रसायनशास्त्र, मू० ॥)

मंगाने का पता:—

श्रीहार्दहर प्रेस, बरालोकपुर-इटावा ।